किशोरावस्था के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव का अध्ययन

डॉ0 बिमला
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षा विभाग
मदरहुड विश्वविद्यालय, रूडकी

विनीता जोशी
शोधार्थिनी
शिक्षा विभाग
मदरहुड विश्वविद्यालय, रूडकी

सारांश

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य किशोरावस्था के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव का अध्ययन करना है। इस शोध में शून्य परिकल्पनाओं का प्रतिपादन किया गया है। प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण शोधविधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध की जनसंख्या में उत्तराखण्ड राज्य के नैनीताल जनपद के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। न्यादर्श में नैनीताल जनपद के 24 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 11 एवं 12 से उपस्थित व उपलब्ध 480 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। न्यादर्श के चयन के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में सामाजिक सहयोग को स्वतन्त्र चर व व्यक्तिगत मूल्य को आश्रित चर के रूप में लिया गया है। जी0पी0 शैरी एवं आर0पी0 वर्मा द्वारा निर्मित पर्सनल वैल्यूज क्वैश्चनायर एवं इन्दिरा ढ़ल एवं संगीता गोदारा द्वारा निर्मित सोशल सपोर्ट स्केल द्वारा प्रदत्तों को एकत्र किया गया है। प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए मध्यमान, मानक विचलन व द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। शोध के परिणामों में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों, सामाजिक मूल्यों, प्रजातान्त्रिक मूल्यों, सौन्दर्यात्मक मूल्यों, आर्थिक मूल्यों, ज्ञान मूल्यों, सुखवादी मूल्यों, शक्ति मूल्यों, पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों एवं स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों, सामाजिक मूल्यों, प्रजातान्त्रिक मूल्यों, आर्थिक मूल्यों, ज्ञान मूल्यों, सुखवादी मूल्यों, शक्ति मूल्यों एवं स्वास्थ्य मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है। औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है। उच्च व औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों का स्तर एक समान एवं अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।

मुख्य बिन्दु :– किशोरावस्था, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थी, व्यक्तिगत मूल्य एवं सामाजिक सहयोग।

❖ प्रस्तावना

मूल्य बुनियादी सिद्धांत हैं जो व्यवहार, दृष्टिकोण और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। **टायलर (1973)** के अनुसार, **''मूल्य ऐसे मानदंड हैं जो किसी समाज के व्यक्तियों के कार्यों और विश्वासों का मार्गदर्शन करते हैं।''** मूल्य हमें यह समझने में सहायता करते हैं कि किन उद्देश्यों और कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए **(रॉकेच, 1973)**। व्यक्तिगत मूल्य जैसे ईमानदारी, सहानुभूति और अनुशासन, किसी व्यक्ति के निजी और सामाजिक जीवन में संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। सांस्कृतिक मूल्य समाज के भीतर सामंजस्य बनाए रखने और परंपराओं को संरक्षित करने में सहायता करते हैं **(श्वार्टजस, 1992)**। **रॉकेच (1973)** के अनुसार, **''मूल्य एक ऐसा विश्वास है जो व्यक्तिगत व्यवहार और अस्तित्व के लिए एक विशेष प्रकार की प्राथमिकता प्रदान करता है।''** यह विश्वास हमारी सोच और निर्णय प्रक्रियाओं में प्रमुख भूमिका निभाता है। मूल्य व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर अन्योन्याश्रित होते हैं, जो सामूहिक विकास और व्यक्तिगत उन्नति दोनों में सहायक होते हैं। मूल्य निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करते हैं और नैतिकता के आधार पर

सही और गलत का आकलन करने में सहायता करते हैं **(रूमेल, 2018 एवं हॉफस्टेज, 2019)**। सामाजिक जीवन में मूल्यों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये समाज को संगठित और स्थिर बनाए रखते हैं। **हॉफस्टेज (2019)** ने स्पष्ट किया है कि समाज में सामूहिक मूल्यों की स्थापना सामाजिक जुड़ाव और स्थिरता को बढ़ावा देती है। मूल्य सामाजिक बंधनों को मजबूत करते हैं और व्यक्तियों के बीच सह–अस्तित्व को सुनिश्चित करते हैं।

सामाजिक सहयोग का विद्यार्थियों के मूल्यों पर गहरा प्रभाव होता है क्योंकि यह उनके नैतिक और व्यक्तिगत विकास को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। सामाजिक सहयोग में परिवार, मित्र, शिक्षक और समुदाय की भूमिका शामिल होती है, जो विद्यार्थियों को नैतिकता और जीवन में सही निर्णय लेने की प्रेरणा देते हैं। जिन विद्यार्थियों को परिवार और मित्रों का सहयोग मिलता है, वे विद्यार्थी आत्मविश्वास और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को अधिक सहजता से अपनाते हैं **(वैन्टजेल, 2018)**। परिवार के सदस्यों द्वारा प्रदत्त नैतिक सहयोग से बच्चों में संवाद कौशल और सहयोग जैसे मूल्यों का विकास होता है **(स्टेवर्ट एवं सुल्डो, 2019)**। इसके अतिरिक्त सामुदायिक सहयोग जैसे सामुदायिक सेवा गतिविधियों और समूह चर्चाओं में भागीदारी, विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और सामाजिक जिम्मेदारियों को अपनाने में सहायक है **(फरमैन, 2020)**। शिक्षकों और सहपाठियों से मिलने वाले सामाजिक सहयोग विद्यार्थियों को समस्याओं को हल करने में मार्गदर्शन प्रदान करता है। इससे विद्यार्थियों में आत्म–अनुशासन और नेतृत्व जैसे मूल्य विकसित होते हैं **(वैन्टजेल, 2018)।** इस प्रकार सामाजिक सहयोग विद्यार्थियों की मूल्यों की नींव को मजबूत करने और उनके नैतिक विकास को सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी विचार को दृष्टिगत रखते हुए शोधार्थिनी द्वारा किशोरावस्था के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव का अध्ययन करने का निश्चय किया गया।

❖ समस्या कथन

किशोरावस्था के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव का अध्ययन

❖ शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव का अध्ययन करना।

❖ शोध अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है।

उपर्युक्त परिकल्पना को विभिन्न व्यक्तिगत मूल्यों के आधार पर उप–परिकल्पनाओं में वर्गीकृत किया गया है।

❖ शोध प्रारूप एवं प्रविधि

1. **शोध विधि :** प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण शोधविधि का प्रयोग किया गया है।
2. **जनसंख्या :** प्रस्तुत शोध की जनसंख्या में उत्तराखण्ड राज्य के नैनीताल जनपद के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।
3. **न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि :** न्यादर्श में नैनीताल जनपद के 24 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 11 एवं 12 से उपस्थित व उपलब्ध 480 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। न्यादर्श के चयन के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि का प्रयोग किया गया है।
4. **चर :** प्रस्तुत शोध में सामाजिक सहयोग को स्वतन्त्र चर व व्यक्तिगत मूल्य को आश्रित चर के रूप में लिया गया है।
5. **शोध उपकरण :** (क) जी0पी0 शैरी एवं आर0पी0 वर्मा द्वारा निर्मित पर्सनल वैल्यूज क्वैश्चनायर, (ख) इन्दिरा ढ़ल एवं संगीता गोदारा द्वारा निर्मित सोशल सपोर्ट स्केल।
6. **सांख्यिकीय प्रविधियाँ :** प्रस्तुत शोध में मध्यमान, मानक विचलन, द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

❖ व्याख्या एवं विश्लेषण

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या निम्न प्रकार है :

सारणी – 1(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	धार्मिक मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	14.23	3.62
	औसत	207	14.08	4.51
	निम्न	205	11.42	4.59
	कुल	480	12.96	4.62

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 1(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 14.23, 14.08 एवं 11.42 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों का स्तर औसत है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 1(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	854.614	2	427.307	21.684**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	9399.917	477	19.706		
योग	10254.531	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 1(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 21.684 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 2(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	सामाजिक मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	18.10	6.41
	औसत	207	14.52	5.01
	निम्न	205	10.48	4.73
	कुल	480	13.30	5.78

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 2(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 18.10, 14.52 एवं 10.48 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों का स्तर क्रमशः उच्च, औसत एवं निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 2(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	3498.830	2	1749.415	66.698**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	12511.151	477	26.229		
योग	16009.981	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 2(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 66.698 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 3(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	प्रजातान्त्रिक मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	16.48	5.26
	औसत	207	12.97	4.19
	निम्न	205	9.22	4.24
	कुल	480	11.87	5.06

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 3(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 16.48, 12.97 एवं 9.22 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों का स्तर क्रमशः उच्च, औसत एवं निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 3(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	3131.159	2	1565.580	81.615**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	9150.089	477	19.183		
योग	12281.248	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 3(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 81.615 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 4(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	सौन्दर्यात्मक मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	11.76	3.52
	औसत	207	11.85	4.22
	निम्न	205	9.61	4.51
	कुल	480	10.88	4.39

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 4(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 11.76, 11.85 एवं 9.61 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च एवं औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का स्तर औसत है जबकि निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का स्तर निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 4(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	577.653	2	288.827	15.902**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	8663.494	477	18.162		
योग	9241.148	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 4(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 15.902 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 5(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	आर्थिक मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	15.14	3.85
	औसत	207	14.42	4.45
	निम्न	205	10.85	5.19
	कुल	480	13.00	5.05

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 5(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 15.14, 14.42 एवं 10.85 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च एवं औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों का स्तर औसत है जबकि निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों का स्तर निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 5(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	1673.975	2	836.988	37.700**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	10590.016	477	22.201		
योग	12263.992	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 5(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 37.700 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 6(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	ज्ञान मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	17.70	5.85
	औसत	207	14.59	4.62
	निम्न	205	10.46	4.80
	कुल	480	13.27	5.54

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 6(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है।

सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 17.70, 14.59 एवं 10.46 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों का स्तर क्रमशः उच्च, औसत एवं निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 6(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	3312.819	2	1656.409	69.302**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	11400.881	477	23.901		
योग	14713.700	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 6(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 69.302 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 7(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	सुखवादी मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	17.05	4.17
	औसत	207	15.87	4.85
	निम्न	205	12.25	5.36
	कुल	480	14.49	5.36

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 7(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 17.05, 15.87 एवं 12.25 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों का स्तर उच्च है जबकि औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों का स्तर औसत है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 7(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	1873.443	2	936.721	37.527**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	11906.555	477	24.961		
योग	13779.998	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 7(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 37.527 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 8(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	शक्ति मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	16.10	4.89
	औसत	207	13.12	4.02
	निम्न	205	9.59	4.30
	कुल	480	12.03	4.86

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 8(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है।

सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 16.10, 13.12 एवं 9.59 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों का स्तर क्रमशः उच्च, औसत एवं निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 8(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	2589.670	2	1294.835	70.687**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	8737.655	477	18.318		
योग	11327.325	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 8(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 70.687 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 9(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	13.94	4.26
	औसत	207	13.94	5.47
	निम्न	205	10.62	5.26
	कुल	480	12.52	5.47

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 9(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 13.94, 13.94 एवं 10.62 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च एवं औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों का स्तर औसत है जबकि निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों का स्तर निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च व औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों का स्तर समान एवं सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 9(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	1288.754	2	644.377	23.537**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	13058.893	477	27.377		
योग	14347.648	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 9(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 23.537 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

सारणी – 10(क) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन

चर	सामाजिक सहयोग	विद्यार्थियों की संख्या	स्वास्थ्य मूल्य	
			मध्यमान	मानक विचलन
स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का प्रभाव	उच्च	68	17.33	4.54
	औसत	207	14.86	4.18
	निम्न	205	10.90	4.53
	कुल	480	13.52	4.99

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण

सारणी 10(क) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु मध्यमान एवं मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है।

सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों का मध्यमान क्रमशः 17.33, 14.86 एवं 10.90 है। मध्यमान से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों का स्तर क्रमशः उच्च, औसत एवं निम्न है।

सारणी से स्पष्ट है कि उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों का स्तर सर्वाधिक उच्च एवं निम्न सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों का स्तर सर्वाधिक निम्न है।

सारणी – 10(ख) : किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
समूहों के मध्य	2770.266	2	1385.133	71.930**	सार्थक
समूहों के अन्तर्गत	9185.482	477	19.257		
योग	11955.748	479			

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण ** = 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

सारणी 10(ख) में किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्रसरण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 479 पर किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 71.930 (0.01 सार्थकता स्तर) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव है। अतः परिकल्पना कि 'किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव नहीं है' निरस्त की जाती है।

❖ परिणाम

प्रस्तुत शोध से निम्न परिणाम प्राप्त किये गये हैं :–

1. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
2. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
3. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के प्रजातान्त्रिक मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
4. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
5. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।

6. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के ज्ञान मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
7. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सुखवादी मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
8. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के शक्ति मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
9. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च व औसत सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों का स्तर एक समान एवं अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
10. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों पर सामाजिक सहयोग का सार्थक प्रभाव पाया गया है। उच्च सामाजिक सहयोग प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्यों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।

❖ शैक्षिक निहितार्थ

विद्यार्थियों में व्यक्तिगत मूल्यों का विकास करना एक समग्र प्रक्रिया है जिसमें विद्यालय प्रशासन, शिक्षक, माता–पिता और परामर्शदाता सभी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। व्यक्तिगत मूल्यों के विकास के लिए स्कूल प्रशासन को एक सकारात्मक और सहायक वातावरण सुनिश्चित करना चाहिए। विद्यालय के नियम और नीति इस प्रकार तैयार होनी चाहिए जिससे विद्यार्थियों में अनुशासन, ईमानदारी और सहानुभूति जैसे मूल्य विकसित हों। विद्यालय को सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके कार्यक्रम और गतिविधियाँ विद्यार्थियों को टीम वर्क, नेतृत्व और समाज सेवा जैसे मूल्य सिखाएं। शिक्षकों का कार्य केवल शैक्षणिक ज्ञान देना ही नहीं, वरन् विद्यार्थियों में नैतिक और व्यक्तिगत मूल्यों को विकसित करना भी है। शिक्षक अपने व्यवहार और दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श बन सकते हैं। शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ संवाद करते समय धैर्य, सम्मान और करुणा का प्रदर्शन करना चाहिए, जिससे वे भी इन गुणों को अपनाने की प्रेरणा प्राप्त करें। शिक्षक अपने पाठ्यक्रम में व्यक्तिगत मूल्यों को सम्मिलित करने के लिए कहानियों, ऐतिहासिक घटनाओं और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों का उपयोग कर सकते हैं।

माता–पिता विद्यार्थियों के नैतिक विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि बच्चे अपने परिवार से प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। माता–पिता को अपने बच्चों के लिए एक सकारात्मक उदाहरण बनना चाहिए। उनके दैनिक जीवन में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सहानुभूति

जैसे गुणों का प्रदर्शन करना चाहिए। बच्चों के साथ नियमित बातचीत, उनके विचारों को सुनना और उनकी भावनाओं को समझना अत्यन्त आवश्यक है। बच्चों को यह महसूस कराना चाहिए कि वे अपनी समस्याओं और दुविधाओं को बिना किसी डर के साझा कर सकते हैं। माता–पिता को बच्चों के जीवन में सीमाएं निर्धारित करनी चाहिए और उन पर उनका पालन करने का दबाव डालने के बजाय उन्हें समझने का अवसर देना चाहिए। पारिवारिक परंपराओं और संस्कारों के माध्यम से बच्चों में नैतिक और व्यक्तिगत मूल्यों को सुदृढ़ किया जा सकता है। इस प्रकार व्यक्तिगत मूल्यों का विकास एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें सभी पक्षों का योगदान आवश्यक है।

❖ सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

टायलर, आर0डब्ल्यू0 (1973). *बेसिक प्रिंसिपल्स ऑफ करीकुलम एण्ड इन्स्ट्रक्शनस.* यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रैस।

फरमैन, डब्ल्यू0 (2020). द रोल ऑफ कम्यूनिटी सपोर्ट इन एडोलोसेन्ट मोरल डवल्पमैन्ट. *जर्नल ऑफ एडोलोसेन्स, 42*(2), 98–112।

वैन्टजेल, के0आर0 (2018). सोशल सपोर्ट एण्ड इट्स इफैक्ट ऑफ स्टूडेन्ट मोटिवेशन एण्ड वैल्यूज. *जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकॉलॉजी, 10*(2), 223–224।

रॉकेच, एम0 (1973). *द नेचर ऑफ हयूमन वैल्यूज.* फ्री प्रैस।

रूमेल, एस0एच0 (2018). यूनिवर्सलस इन वैल्यूज : एन अपडेटेड एनैलेसिस. *एडवान्सेज इन साइकॉलॉजिकल साइन्स, 12*(2), 85–102।

श्वार्टजस, एस0 एच0 (1992). यूनिवर्सलस इन द कन्टेन्ट एण्ड स्ट्रक्चर ऑफ वैल्यूज : थ्योरेटिकल एडवान्सेज एण्ड इम्पिरीकल टैस्ट्स इन 20 कन्ट्रीज. *एडवान्सेज इन एक्सपैरिमेन्टल सोशल साइकॉलॉजी, 25*, 1–65।

स्टेवर्ट, टी0 एवं सुल्डो, एस0 (2019). टीचर एण्ड पीअर सपोर्ट इन शेपिंग स्टूडेन्ट्स वैल्यूज. *एजुकेशनल साइकॉलॉजी, 39*(5), 620–635।

हॉफस्टेज, जी0 (2019). कल्चरल डायनैमिक्स एण्ड वैल्यूज इन सोसाइटी. *जर्नल ऑफ सोशल रिसर्च, 45*(3), 112–125।

****